राजनीतिक

● प्रधानमंत्री मोदी की जी7 यात्रा पर निगाहें : पहलगाम आतंकी हमले के बाद ट्रंप के साथ पहली आमना-सामना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी जी7 शिखर सम्मेलन के लिए फ्रांस यात्रा पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं, जहां पहलगाम आतंकी हमले के बाद पहली बार उनकी मुलाकात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से होने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार, विदेश मंत्रालय इस कूटनीतिक रूप से संवेदनशील और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बैठक की तैयारियों में दिन-रात जुटे हुए हैं। व्यापार समझौते के मद्देनजर मोदी-ट्रम्प की संभावित मुलाकात का महत्व बढ़ गया है, क्योंकि इस समझौते ने चिंताओं और राजनयिक संदेशों को काफी हद तक बढ़ा दिया है। अधिकारियों का मानना है कि आतंकवाद विरोधी सहयोग, क्षेत्रीय स्थिरता और खुफिया समन्वय पर चर्चा प्रमुखता से हो सकती है। महत्वपूर्ण घोषणाओं की संभावना को लेकर मीडिया में काफी चर्चा है, हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अकेले इस बैठक की छवि से ही वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से आतंकवाद के खिलाफ भारत-अमेरिका के गठबंधन को लेकर, मजबूत संकेत मिलने की उम्मीद है। शिखर सम्मेलन के दौरान कई द्विपक्षीय मुलाकातों के साथ, प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा पर तत्काल परिणामों और व्यापक भू-राजनीतिक प्रभावों दोनों के लिए बारीकी से नजर रखी जा रही है।

● आरएसएस की हिचकिचाहट ने बंगाल में विस्तार की योजना को रोक दिया है, मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के बागी टीएमसी सांसद-विधायक को शामिल करने के प्रयास में विराम लग गया

सूत्रों के अनुसार, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी तृणमूल कांग्रेस से दलबदल की संभावनाओं को सक्रिय रूप से तलाश रहे हैं, इसके बावजूद भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने टीएमसी विधायकों और सांसदों को एनडीए में बड़े पैमाने पर शामिल करने की मंजूरी रोक रखी है। अधिकारी, जिन्होंने मई 2026 में भाबनीपुर में ममता बनर्जी को हराकर राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री बने हैं, ने आगामी चुनावी मुकाबलों से पहले दल बदलने के इच्छुक कई टीएमसी विधायकों और सांसदों से संपर्क स्थापित कर लिया है। हालांकि, प्रस्तावित विस्तार को संगठनात्मक स्तर पर प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने इस प्रक्रिया को धीमा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और पार्टी की वैचारिक एकता को कमजोर करने वाले तीव्र राजनीतिक विलय के खिलाफ चेतावनी दी है। माना जाता है कि संघ ने एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी है, जिसमें अल्पकालिक चुनावी लाभ के बजाय दीर्घकालिक कार्यकर्ता मजबूती को प्राथमिकता दी जाए।

यह मतभेद मुख्यमंत्री अधिकारी के नेतृत्व में आक्रामक राजनीतिक विस्तार और वैचारिक सुदृढ़ीकरण के बीच भाजपा के भीतर व्यापक तनाव को दर्शाता है, विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में जहां पार्टी एक गहरे क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी ऐतिहासिक सफलता का जश्न मना रही है।

●अनुराग, निशिकांत, रिजिजू: आगामी सत्र में विशेष विधेयकों के लिए भाजपा के क्रॉस-पार्टी संवाद का नेतृत्व कर रहे

भाजपा के नेता अनुराग ठाकुर, निशिकांत दुबे और किरेन रिजिजू आगामी संसदीय सत्र से पहले दल-व्यापी संवाद का नेतृत्व करते हुए पार्टी की कमान संभाले हुए हैं। ये तीनों प्रमुख नेता विपक्षी दलों से बातचीत कर रहे हैं ताकि उन महत्वपूर्ण कानूनों को पारित करने के लिए आवश्यक विशेष बहुमत हासिल किया जा सके जिनके लिए साधारण 50% से अधिक मतों की आवश्यकता होती है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, भाजपा सांसदों ठाकुर और दुबे के साथ मिलकर इन संवेदनशील राजनीतिक संपर्क प्रयासों का प्रबंधन करने वाली मुख्य टीम का गठन करते हैं। आगामी सत्र में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक और परिसीमन विधेयक, 2026 सहित प्रमुख विधेयकों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है, जिनमें से सभी को विशेष बहुमत से पारित करना आवश्यक है। ठाकुर और दुबे पहले भी सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में भाग ले चुके हैं, जो पार्टी के भीतर उनकी कूटनीतिक भूमिका को दर्शाता है। संवैधानिक संशोधनों के लिए सरकार को विपक्ष के समर्थन की आवश्यकता को देखते हुए, ये तीनों नेता भाजपा को सत्र से पहले जटिल संसदीय समीकरणों को समझने और राजनीतिक प्रभाव बनाए रखने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार कर रहे हैं।

प्रशासनिक

● 1995 बैच के 30 आईपीएस अधिकारी महानिदेशक के रूप में पैनल में शामिल

भारत सरकार में 1995 बैच के कुल 30 आईपीएस अधिकारियों को महानिदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है।

● नीरज वर्मा को संसदीय मामलों के सचिव का अतिरिक्त प्रभार मिला।

नीरज वर्मा (आईएएस; एएम-1994), सचिव, न्याय विभाग को निकुंजा बिहारी ढाल (ओआर:1993) की अनुपस्थिति के दौरान 13 जून, 2026 से 19 जून, 2026 की अवधि के लिए संसदीय कार्य मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

● एमएस जोशी का तबादला आर्थिक मामलों के विभाग के उप सचिव के पद पर

कैबिनेट सचिवालय में उप सचिव मृण्मई शशांक जोशी (आईएएस केएल: 2013) को आर्थिक मामलों के विभाग में उप सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है।

● चुनाव आयोग में मनोज का कार्यकाल कम किया

चुनाव आयोग के निदेशक मनोज सी. (आईपीएस; एजीएमयूटी 2011) का कार्यकाल कम कर दिया गया है।

● मनोज कुमार, आईआरएस की सेवा मूल कैडर में वापस

मनोज कुमार (आईआरएस आईटी: 1994), अतिरिक्त सचिव, निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग, वित्त मंत्रालय, को उनके मूल कैडर में वापस भेज दिया गया है।

● चौधरी उदय गौरीशंकर का कार्यकाल बढ़ाया

वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के संयुक्त सचिव चौधरी उदय गौरीशंकर (आईएएस: एमएच-2010) का कार्यकाल 23 जून, 2026 के बाद दो साल के लिए बढ़ा दिया गया है।

●सुधांशु सारंगी केंद्र में डीजी/डीजी समकक्ष पद के लिए सूचीबद्ध

सुधांशु सारंगी को केंद्र में महानिदेशक/महानिदेशक के समकक्ष पद के लिए पैनल में शामिल किया गया है। वे ओडिशा कैडर के 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं।

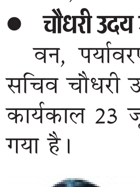

●राजीव कृष्णा केंद्र में महानिदेशक समकक्ष पद के पैनल में शामिल

राजीव कृष्णा को केंद्र में महानिदेशक/महानिदेशक के समकक्ष पद के लिए पैनल में शामिल किया गया है। वे उत्तर प्रदेश कैडर के 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं।

● आनंद मोहन को केंद्र में महानिदेशक समकक्ष पद के लिए पैनल में शामिल

आनंद मोहन को केंद्र में महानिदेशक/महानिदेशक के समकक्ष पद के लिए पैनल में शामिल किया गया है। वे एजीएमयूटी कैडर के 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं।

कोई भी शोध विकास के लिए किया जाता है, उसके पीछे लोक कल्याण की भावना निहित : योगी आदित्यनाथ

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, वाराणसी : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोई भी शोध विकास के लिए किया जाता है। उसके पीछे लोक कल्याण की भावना निहित होती है। अंततः उसका उद्देश्य राष्ट्र को मजबूत और सशक्त बनाने का होता है। दो दिवसीय वाराणसी दौरे के अन्तिम दिन शनिवार को मुख्यमंत्री यहां काशी हिन्दू विश्वविद्यालय और वैदिक विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विज्ञान भारती के सातवें राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी ने अधिवेशन का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन के बाद विज्ञान भारती की वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह काशी हिंदू विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना के पीछे का उद्देश्य ही ज्ञान- विज्ञान के ऐसी धारा के रूप में काशी को उसकी पहचान दिलाना है, जिसके लिए हमारी काशी जानी जाती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम विज्ञान की बात करते हैं, तो उसके परिणामों और प्रभावों की भी जानकारी होनी चाहिए। आधुनिक विज्ञान का इतिहास करीब 400-500 साल पुराना है। जिन देशों ने विज्ञान और तकनीक पर अपना प्रभुत्व स्थापित किया, दुनिया में उनका वर्चस्व भी कायम हो गया। उन्होंने कहा कि ज्ञान जहां से भी मिले, उसका स्वागत होना चाहिए। लेकिन केवल उसे अपनाना ही पर्याप्त नहीं है। उसके मूल भाव और उद्देश्य को समझना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया में प्रतिस्पर्धा और संघर्ष इसी बात को लेकर है। जब हम भारत की चर्चा करते हैं, तो उसकी प्रगति और विकास की बात भी सामने आती है।

यदि हम 2000 साल पहले से लेकर 15वीं-16वीं शताब्दी तक के भारत के वैभव को देखें, तो पता चलता है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी करीब 45 फीसदी थी। करीब 400 साल पहले, जब देश विदेशी आक्रांताओं के कठिन दौर से गुजर रहा था, तब भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 24-25 फीसदी थी। 1947 में आजादी के समय यह घटकर महज 1.5 से 2 फीसदी रह गई थी। दो हजार साल पहले भारत की वैश्विक अर्थव्यवस्था में इतनी बड़ी हिस्सेदारी क्यों थी ? इसका कारण यह था कि भारत नवाचार करता था। किसान अपने खेतों में नए प्रयोग करते थे। प्राकृतिक तरीकों से भूमि की उर्वरता बनाए रखने पर काम करते थे। कृषि हमारे लिए केवल आजीविका का साधन नहीं थी, बल्कि आरोग्यता का माध्यम भी थी। यह देश और समाज को जोड़ने का काम भी करती थी। आज हमने अन्नदाता किसान को उर्वरकों पर निर्भर होने के लिए मजबूर कर दिया है। उसे यह विश्वास दिला दिया गया कि रासायनिक खाद के बिना खेती संभव नहीं है।

हम यह भूल गए कि हमारी कृषि व्यवस्था में पशुपालन भी अभिन्न हिस्सा था। इसके पहले मुख्यमंत्री का स्वागत बीएचयू के कुलपति प्रोफेसर अजित कुमार चतुर्वेदी ने अंगवस्त्र पहनाकर किया। उल्लेखनीय है कि अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार एवं राष्ट्रीय विकास पर विचार-विमर्श होगा। दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में देश-विदेश से लगभग 1200 प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। इनमें विज्ञान भारती के सदस्य, वैज्ञानिक, शोधकर्ता, शिक्षाविद, नीति-निर्माता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि एवं विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ सहभागिता कर रहे हैं। अधिवेशन में देश के प्रमुख संस्थानों एवं सरकारी संगठनों से जुड़े प्रतिष्ठित वक्ता एवं विचारक अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। वन हेल्थ विषयक सत्र का नेतृत्व राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के अध्यक्ष डॉ. बी. एन. गंगाधर करेंगे, जिसमें शिक्षण, स्वास्थ्य एवं अनुसंधान संस्थानों से जुड़े विशिष्ट विशेषज्ञ भाग लेंगे।

विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. शिवकुमार शर्मा के अनुसार अधिवेशन का उद्देश्य समसामयिक वैज्ञानिक एवं सामाजिक चुनौतियों पर सार्थक विमर्श करते हुए वैज्ञानिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत के लिए एक कार्ययोजना तैयार करना है। इस वर्ष के अधिवेशन में वन हेल्थ, विकसित भारत हेतु नेट ज़ीरो तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं नैतिकता जैसे राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर विशेष चर्चा की जाएगी।

विकसित भारत के लिए नेट ज़ीरो विषयक सत्र का नेतृत्व मध्य प्रदेश शासन के ऊर्जा तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव मनु श्रीवास्तव करेंगे। इस सत्र में सतत विकास एवं ऊर्जा संक्रमण से जुड़े विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। उद्घाटन सत्र में मुख्यमंत्री के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर व अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

जालौन के रगौली गांव में रात्रि जनचौपाल में मंत्री संजय गंगवार ने सुनीं समस्याएं

उरई। उत्तर प्रदेश सरकार में गन्ना विकास एवं जालौन जिले के प्रभारी मंत्री संजय सिंह गंगवार शुक्रवार को उरई तहसील क्षेत्र के रगौली गांव में पहुंचे। रात में जनचौपाल लगाई। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निस्तारण के निर्देश दिए।

देर रात मंत्री संजय गंगवार ने रगौली गांव में रात्रि चौपाल के दौरान लोगों की समस्याओं को सुना। साथ ही सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ जनता तक पहुंचें, इसको लेकर संबंधित अधिकारी को कड़े निर्देश दिए। इसी क्रम में उन्होंने डिजिटल इंडिया अभियान के तहत गांव में एक पुस्तकालय का उद्घाटन किया।

ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा मिल सके। वहीं, राष्ट्रव्यापी चर्चा में आए नीट पेपर लीक मामले पर मंत्री ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पेपर किसी भी चीज का लीक हो सकता है लेकिन सरकार ने तुरंत संज्ञान लिया। जरूरी कदम उठाए। कार्रवाई की गयी। दोबारा परीक्षा कराई। साथ ही, परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए बस किराए में रियायत भी दी गई।

पर्यावरण संरक्षण के लिए दशाश्वमेध घाट पर हवन, श्रद्धालु भी हुए शामिल

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, : वाराणसी : उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में शनिवार को दशाश्वमेध घाट पर पर्यावरण संरक्षण एवं मानसिक शांति के लिए वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन पूजन किया गया। घाट पर गंगा आरती कराने वाली संस्था गंगोत्री सेवा समिति के तत्वावधान में अर्चकों के साथ नमामि गंगे के स्वयं सेवकों ने भी हवन पूजन में भागीदारी की।

हवन पूजन में आम श्रद्धालु भी शामिल रहे। पूजन में शामिल गंगा सेवक राजेश शुक्ल ने बताया कि गंगा किनारे हवन करना आध्यात्मिक और मानसिक शांति के लिए अत्यंत फलदायी माना गया है। शास्त्रों के अनुसार, किसी भी पवित्र तीर्थस्थल या गंगातट पर किए गए हवन का फल सामान्य स्थान की तुलना में करोड़ों गुना अधिक प्राप्त होता है। सनातन धर्म में गंगा को देव नदी माना गया है। गंगा किनारे बैठकर आहुति देने से वातावरण अत्यंत शुद्ध हो जाता है और साधक के शारीरिक एवं मानसिक पापों का नाश होता है। वेदों और पुराणों (जैसे स्कंद पुराण) के अनुसार, गंगा के तट पर किए गए जप, तप, दान और हवन का फल अनंत गुना होता है। यदि हवन का उद्देश्य पितरों की शांति या तर्पण है, तो गंगा किनारे किया गया हवन सीधा पितरों को मोक्ष प्रदान करने वाला माना गया है।

बहती हुई गंगा और हवन की पवित्र अग्नि (अग्निकर्म) मिलकर वातावरण में उच्च कोटि की सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं, जो ध्यान और साधना के लिए सर्वोत्तम है। पर्यावरण संरक्षण में हवन (यज्ञ) की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वैज्ञानिक मान्यताओं और वैदिक परंपरा के अनुसार, हवन सामग्री, घी और औषधीय जड़ी-बूटियों को अग्नि में जलाने से उत्पन्न धुआं एक प्राकृतिक वायु शोधक के रूप में कार्य करता है।

नगर भ्रमण को निकली कलश यात्रा, भक्तिमय वातावरण में गूंजे मंगल गीत

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में बाबरपुर कस्बे में आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर शनिवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता से पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।

कलश यात्रा का शुभारंभ विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हुआ। कथा के परीक्षित रामकुमार पोरवाल अपनी धर्मपत्नी शिवकुमारी पोरवाल के साथ सिर पर पवित्र कलश धारण कर यात्रा में शामिल हुए। वहीं कथा व्यास पंडित रजनीश त्रिपाठी सुसज्जित रथ पर विराजमान होकर श्रद्धालुओं को धर्म एवं भक्ति के साथ चल रहे थे। यात्रा में शामिल महिलाओं ने पीत वस्त्र धारण कर अपने सिर पर कलश रखे और मंगल गीतों का गायन करते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से भ्रमण किया। श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत महिलाओं के भजन एवं जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिरस में डूब गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा भगवान के जयकारे लगाए जाते रहे, जिससे नगर का माहौल पूरी तरह आध्यात्मिक हो उठा।

कलश यात्रा के दौरान परीक्षित दंपति ने नगर के विभिन्न देवस्थानों पर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की। नगरवासियों ने भी यात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए कथा आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं व्यवस्थाओं में मनोज पोरवाल, अशोक पोरवाल, कपिल पोरवाल, राहुल पोरवाल, जय पोरवाल, देव पोरवाल, रविंद्र पोरवाल, दिनेश चंद पोरवाल, अर्पित पोरवाल, पारस पोरवाल, ऋषभ, श्वेत, अमन राघव सहित अनेक श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग रहा।

बेंदा खदान में अवैध खनन के आरोप यमुना की धारा मोड़ने का दावा

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, बांदाः तिंदवारी थाना क्षेत्र स्थित बेंदा खदान में यमुना नदी के किनारे बड़े पैमाने पर अवैध खनन किए जाने के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के दिशा-निर्देशों की अनदेखी कर प्रतिबंधित भारी मशीनों के माध्यम से दिन-रात खनन कार्य किया जा रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार खनन गतिविधियों को सुगम बनाने के लिए नदी की जलधारा में बदलाव किया गया है तथा भारी वाहनों के आवागमन के लिए अस्थायी पुल भी बनाया गया है। उनका कहना है कि इससे नदी के प्राकृतिक स्वरूप पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि खनन कार्य निर्धारित मानकों से परे जाकर संचालित किया जा रहा है। क्षेत्र के लोगों ने आशंका जताई है कि नदी की तलहटी में गहरे गड्ढे बनने से आगामी बरसात के दौरान बाढ़ और कटाव का खतरा बढ़ सकता है। पर्यावरण संरक्षण से जुड़े जानकारों का मानना है कि यदि नदी क्षेत्र में अनियंत्रित खनन होता है तो इससे जलीय जीवों और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र पर भी असर पड़ सकता है।

ग्रामीणों ने खनिज विभाग और स्थानीय प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। उनका आरोप है कि शिकायतों के बावजूद अब तक प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि एनजीटी के दिशा-निर्देशों के अनुसार नदी की सक्रिय जलधारा में भारी मशीनों के उपयोग और खनन गतिविधियों पर प्रतिबंध है। ऐसे में बेंदा खदान से जुड़े आरोपों को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। हालांकि संबंधित विभागों की ओर से इन आरोपों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं अभिषेक केशरवानी आत्मज श्री कृष्ण कुमार केशरवानी आयु वयस्क, निवासी- ई-2/184, अरेरा कॉलोनी, हुजूर, भोपाल म.प्र. मेरी पुत्री का नाम आरोही गुप्ता (AAROHI GUPTA) है। मेरी पुत्री के कुछ दस्तावेज, बैंक दस्तावेज में (सुकन्या योजना) एवं जन्म प्रमाण पत्र में नविक्शा केशरवानी एवं आधार कार्ड में मेरी पुत्री का नाम नविक्शा गुप्ता केशरवानी दर्ज हो गया है। मेरी पुत्री का सही नाम आरोही गुप्ता (AAROHI GUPTA) है, जो कि मेरे मूल निवासी प्रमाण पत्र में दर्ज है। अतः भविष्य में मेरी पुत्री नाम आरोही गुप्ता (AAROHI GUPTA) सही लिखा एवं पढ़ा जावे।

गलत नाम - नविक्षा केशरवानी
नविक्शा गुप्ता केशरवानी
सही नाम- आरोही गुप्ता
(AAROHI GUPTA)

608

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण,भोपाल

प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई. डी. नं. J700080859,आवेदन क्रमांक-12095, आवेदन दिनांक-13/06/2026
क्रमांक 2059/राजस्व/भौविप्रा/26 भोपाल
दिनांक: 12/06/2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की राजाभोज योजना फेस-2 स्थित भूखण्ड क्रमांक 859 आवंटी श्रीमती सरला जैन पत्नी श्री प्रकाश चंद्र जैन के नाम पर आवंटित है। आवंटी श्रीमती सरला जैन का स्वर्गवास दिनांक:17/02/2026 को हो जाने के कारण एवं आवंटी द्वारा उक्त भूखण्ड की वसीयत अपने पति श्री प्रकाश चंद्र जैन के नाम कर नोटराइज कराई गई एवं वारिसों द्वारा भी सहमति सपथ पत्र में भूखण्ड का नामांतरण अपने पिता के नाम पर किये जाने का उल्लेख किया है। श्री प्रकाश चंद्र जैन द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड एवं नोटराइज वसीयत एवं समस्त वारिसो की सहमति/शपथ पत्र तथा वांछित प्रपत्रों को प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड क्रमांक 859 अपने नाम पर नामांतरण चाहा गया है। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजो के साथ अधोहताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

609

पश्चिम मध्य रेल

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, वाणिज्य शाखा, भोपाल.
No.: C/BPL/CATG/E-Auction/2026, Date: 12.06.2026

केटरिंग एवं पार्किंग के ठेके आवंटन हेतु ई-ऑक्शन

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भोपाल द्वारा स्टेशन पर केटरिंग एवं पार्किंग के ठेके आवंटन हेतु ई-ऑक्शन आमंत्रित की जाती है। ई-ऑक्शन के केटलॉग्स आईआरईपीएस पोर्टल (www.ireps.gov.in) पर उपलब्ध है। केटलॉग्स की जानकारी इस प्रकार से हैः

Catalogue Number	Type of contract	Lot No.	Contract Period
C-BPL-CATG-2026	Catering	Catg-BPL-BHS-SMU-64-23-2	5 years
		Catg-BPL-BPL-SMU-405-26-1	5 years
		Catg-BPL-NDPM-SMU-401-25-1	5 years
		Catg-BPL-NDPM-SMU-404-25-1	5 years
		Catg-BPL-NDPM-SMU-402-25-1	5 years
		Catg-BPL-BHS-SMU-412-26-1	5 years
		Catg-BPL-BPL-SMU-406-26-1	5 years
		Catg-BPL-NDPM-SMU-372-26-1	5 years
		Catg-BPL-BHS-SMU-66-23-1	5 years
		Catg-BPL-NDPM-SMU-371-26-1	5 years
		Catg-BPL-NDPM-SMU-403-25-1	5 years
C-BPL-PRKG-NDPM	Parking	PARKING-BPL-NDPM-TW-50-26-1	3 years
		PARKING-BPL-NDPM-MX-49-26-2	3 years

Date and time of start of e-auction:- 26.06.2026 at 10:30 Hrs.(for all Lot Nos. of **Catering**) and **17.06.2026 at 12:30 Hrs.**(for both Lot Nos. of **Parking**)

सम्पूर्ण जानकारी, अनुबंध की सामान्य शर्तें एवं अनुबंध की विशेष शर्तें **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं। प्रतिभागी पोर्टल पर जाकर विवरण प्राप्त कर सकते है।
मंडल रेल प्रबंधक (वा), पश्चिम मध्य रेल, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान - एक कदम स्वच्छता की ओर

-:जाहिर सूचना :-

ख. क्र. 357/3/1 के भाग में स्थित भूखंड क्र. 28 व 29 छेत्रफल 2400 वर्गफुट स्थित ग्राम फतेहपुर डोबरा जिला भोपाल के संबंध मे

मैं, अपने पक्षकार के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार ने, श्रीमती शीलम शर्मा पत्नी श्री संजय कुमार शर्मा निवासी-189, अंबेडकर नगर, भोपाल (म.प्र.) से उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य के, खसरा क्रमांक, 357/3/1 के भाग में स्थित दो भूखंड क्र. 28 व 29 ग्राम फतेहपुर डोबरा, पटवारी हल्का नंबर 32, राजस्व निरीक्षक मंडल-04, विकास खंड फंदा, तहसील हुजूर, जिला भोपाल, को क्रय करने की सहमति हो गई है एवं टोकन राशि अदा कर दी गयी है। अतः उक्त विक्रय किए जा रहे भूखंडों के संबंध में किसी भी व्यक्ति, पारिवारिक हितेषी सदस्य, संस्था, शासकीय, अशासकीय कार्यालय, बैंक आदि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो या उक्त भूमि कहीं भी गिरवी, दान, बंधक, वसीयत, विक्रय, हिवा, अनुबंध आदि से ग्रस्त हो तो वह इस सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के अंदर अपनी आपत्ति मय दस्तावेज मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें, अन्यथा उक्त समयावधि निकलने के पश्चात् मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भूमि के क्रय करने की कार्यावाही कर रजिस्ट्री अपने पक्ष में निष्पादित करा ली जावेगी, तत्पश्चात् कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।

डॉ. विनय हासवानी अधिवक्ता
रोहित गढ़वाल, पीयूष सिंह
हासवानी एंड एसोसिएट्स
शॉप न. 3, ऐम पॉइंट, प्लाट C, नीलबड़, भोपाल
मो.9425744247

610

आम सूचना

मेरे पक्षकार **ए.यू. स्माल फाइनेन्स बैंक**, तृतीय तल, मेपल हाई स्ट्रीट, होशंगाबाद रोड, भोपाल की ओर से सर्वसाधारण को सूचित हो कि मोहम्मद काशिफ आत्मज अब्दुल राशीद ने संपत्ति जो कि मकान नं.-35/2, सेन्ट्रल लाइब्रेरी रोड, छावनी विलायतीयान, तह. हुजुर व जिला भोपाल, में स्थित है, को मेरे पक्षकार के पास बंधक रखकर ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन दिया है। यह कि उक्त संपत्ति उन्होंने श्रीमती मेहफूज़ा बी, मो. रफीक, अब्दुल हाफिज़, श्रीमती शाह जहाँ, सादीका बी, समीदा बी, माजिदा बी, रोशन बी एवं रोनक जहाँ से क्रय करने का अनुबंध किया है। उक्त संपत्ति का नाप क्रमशः 341 वर्गफिट है व चर्तुसीमायें पूरब-अब्दुल हकीम का मकान, पश्चिम-अब्दुल लतीफ का मकान, उत्तर-अन्य मकान व दक्षिण-रोड है। यह कि उक्त संपत्ति अब्दुल सईद ने विक्रय पत्र जो कि उप-पंजीयक कार्यालय, भोपाल में दिनांक 21.09.87, पु.क्र. अ-1, दस्ता. क्र. 5137, क्र. 3690 पर पंजीकृत है, के द्वारा क्रय की थी। तत्पश्चात उनकी मृत्यु उपरांत उनके विधिक उत्तराधिकारीगण श्रीमती मेहफूज़ा बी, मो. रफीक, अब्दुल हाफिज़, श्रीमती शाह जहाँ, सादीका बी, समीदा बी, माजिदा बी, रोशन बी एवं रोनक जहाँ उक्त सम्पत्ति के मालिक व स्वामी हुए जिसके संबंध में उनके द्वारा संयुक्त शपथ पत्र दिनांक 21.05.2026 प्रस्तुत किया गया है। यदि उक्त सम्पति में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, सोसायटी इत्यादि का किसी भी प्रकार का ऋण, भार, दान, बंधक या कोई हित हो या उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अनुबंध हो तो, वह व्यक्ति, इस सूचना प्रकाशन के **07 दिवस** के अंदर मेरे कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर लिखित में मय दस्तावेजी प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। यदि उक्त समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो मेरा पक्षकार उक्त संपत्ति को बंधक रखकर ऋण प्रदान कर देंगे तथा अवधि पश्चात प्राप्त होने वाली कोई भी आपत्ति या विवाद न तो मेरे पक्षकार पर बंधनकारी होगा एवं न ही मान्य होगा।

भवदीय-**दीपक शर्मा** (एडवोकेट)
कार्या.-ई-5/13-सी,अरेरा कालोनी,भोपाल
मोबाइल:-9993001229

611

आपका राशिफल 14 जून

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक 3 6 9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान सम्मान बढ़ेगा। शुभांक 2 7 8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9